

पठ्या अन्तरिक्ष्याः RV. 5, 34, 9. ते विद्या द्वापुषे वसु तोमो दिव्यानि पार्थिवा । पर्वतामन्तरिक्ष्या ॥ 9, 64, 6.

अन्तरित (part. praet. pass. von इ mit अन्तर) 1) adj. a) im Innern sich befindend: निद्रात्तरित sich im Zustande des Schlafes befindend PAÑKĀT. 117, 5. — b) verborgen TRIK. 3, 1, 12. पादपात्तरित एव विश्रब्धं तावेदंतां पश्यामि ÇĀK. 9, 18. — c) untergegangen, verschwunden: पर्वतात्तरितो रविः BHARATA ZU AK. im ÇKDR. u. अन्तर. देवात्तरितयोरुष adj. dessen Thatkraft im Schicksal untergegangen ist PAÑKĀT. II, 140. — d) getrennt, geschieden: एष कैतस्मै लोकस्तयो हास्यैपानन्तरिता भवति ÇĀT. Br. 7, 3, 1, 28. mit dem instr.: देशैरन्तरिता (आशा) शतैश्च सरितामुर्ध्वभित्तां काननैः AMAR. 93. Sch.: आच्छादिता. अचानन्तरिता क्लमः स्यसंज्ञः स्यात् VOP. 3, 18. am Ende eines comp.: कलकात्तरिता SĀH. D. 46, 9. 48, 3. शन्न्यत्तरानन्तरिता (nicht vermittelt) 10, 10. — 2) n. (?) Rest (mathem.), = व्यवकलि-ताङ्कः । इति लीलावती ÇKDR. Vgl. अन्तर 2, 1.

अन्तरिन्द्रिय (अन्तर + इन्द्रिय) n. ein inneres Sinnesorgan, deren es 4 giebt: मनस्, बुद्धि, अहंकार und चित Vedāntas. 13, 7.

अन्तरीत 1) n. a) = अन्तरित H. 163, Sch. N. 24, 31. — b) Talk (अधक-धातु) RĀĀN. im ÇKDR. — 2) m. N. pr. ein zukünftiger König aus Ikshvāku's Stamme VP. 463. der Vjāsa des 13ten Dvāpara ebend. 273.

अन्तरीतम् (अन्तरीत + ग) 1) adj. f. आ durch die Luft gehend R. 5, 27, 11. 6, 102, 4. — 2) m. Vogel N. 1, 19.

अन्तरीतचर (अन्तरीत + चर) adj. durch die Luft wandelnd, ein Deiwort der Rakshas Hip. 2, 31.

अन्तरीतजल (अन्तरीत + जल) n. das Wasser im Lustraum (आकाश-जल, दिव्योदक) RĀĀN. im ÇKDR.

अन्तरीप (von अन्तर + अप् Wasser) P. 6, 3, 97. VOP. 6, 70. n. Siddh. K. 249, a, 11. Insel AK. 1, 2, 3, 8. H. 1078.

अन्तरीप (von अन्तर) gaṇa धूमादि. 1) adj. im Innern gelegen (?) gaṇa गहादि. — 2) n. Untergewand AK. 2, 6, 3, 18. H. 673.

अन्तरुष्य (von वस्, वसति mit अन्तर) n. Schlupfwinkel, im comp. दशात्तरुष्यं zehnfacher Versteck: तं वा यमो अचिक्रेच्चिन्नभानो दशात्तरुष्यादतिरेचमानम् RV. 10, 31, 3.

अन्तरेण (instr. von अन्तर) gaṇa स्वरादि. 1) adv. dazwischen: अथ कृ स्मैतान्वेवात्तरेणालभते ÇĀT. Br. 6, 2, 1, 39. 7, 4, 3, 38. यावद्वा मलिकायाः पत्रं तावानन्तरेणावकाशः 14, 6, 3, 2. = BRH. ĀR. UP. 3, 3, 2. — 2) praep. mit dem acc. P. 2, 3, 4. a) innerhalb: अन्तरेण वै योनिं गर्भः संचरति ÇĀT. Br. 3, 1, 3, 23. — b) zwischen AK. 3, 3, 10. H. 1538. an. 7, 60. MED. avj. 18. mit vorang. oder folg. acc.: अन्तरेणाकृवनीयं च गार्कपत्यं च ÇĀT. Br. 1, 1, 1, 1. ता नान्तरेण संचरोयुः । नेन्मिथुनं चर्यमाणमन्तरेण संचरन्ति 21. यदिदमन्तरेण व्याघ्रापृथिवी 3, 4, 4, 3, 15. अन्तरेण स्तनौ वा भुवि वा विमृश्यात् 14, 9, 4, 5. (= BRH. ĀR. UP. 6, 4, 3.) TAITT. UP. 1, 6, 1. ĀCV. ÇR. 4, 13. ÇĪC. 3, 3. P. 2, 3, 4, Sch. H. 1338, Sch. तदाव्यभागावन्तरेणाकृतीः प्रतिपादयेच्छ्रद्धया कृतम् MUND. UP. 1, 2, 2. am Ende eines comp.: तदन्तरेण (dazwischen) सर्वा अन्या देवताः At. Br. 1, 1. यावद्विष्टपात्तरेणावलोकायामि zwischen die Bäume hindurch ÇĀK. 33, 1. — c) während, mit dem acc.: स च गन्तव्यमन्तरेण (auf der Reise, unterwegs) निविष्टा गताद्या बप्तिजनः MĀLAV. 67, 21. — d) ausser, mit Ausnahme von, mit dem acc.: नान्यं पश्यामि ते जन्मम् । अन्तरेणाञ्जलिं बद्ध्वा लक्ष्मणास्य प्रसादन्म् ॥ R. 4, 32, 17. न हि पश्यामि तं

लेकि यः कुर्यादप्रियं मम । अन्तरेण — महेन्द्रम् 3, 23, 4. न ह्यन्तरेण कन्दे (ausser im Veda) ऽर्तेः झुलन्त्यः Pat. zu P. 7, 4, 77. त्वामन्तरेण न हि संप्रति कश्चिदोशः H. 1327, Sch. Diese und die folgende Bedeutung fassen die ind. Lexicographen und Grammatiker (AK. 3, 5, 3. H. 1527. an. 7, 60. MED. avj. 18. VOP. 3, 7.) zusammen. Vgl. अन्त्यत्र in der Bed. ausser. — e) ohne, mit dem acc.: वक्षामि स्म पूषणमन्तरेण RV. 10, 33, 1. अयापोद-मन्तरेण मन्त्रेष्वर्थप्रत्ययो न विद्यते Nir. 1, 15. 17. MBu. 1, 768. नान्तरेण क्रियाम् — फलमिष्टं प्रवर्तते R. 3, 71, 13. DĀJ. 30, 4. 38, 10. Git. 7, 12. P. 2, 3, 4, Sch. — f) in Bezug auf, wegen, mit dem acc.: तदस्या देवीं वसु-मतीमन्तरेण मकुडपालम्भनं गतो ऽस्मि ÇĀK. 39, 14. त्वामन्तरेण ऋणं गृह्णीतं तदर्थमित्यर्थः BHARATA ZU AK. im ÇKDR. u. अन्तर. Vgl. अन्तरेण im Prākṛt ÇĀK. 26, 9. VIKR. 43, 15. MĀLAV. 3, 3. und oben अन्तर 2, s.

अन्तर्गु (अन्तर + गु) adj. (turmstichig?) untauglich, unnütz H. 1316.

अन्तर्गत (part. praet. pass. von गम् mit अन्तर) adj. 1) hineingegangen (मध्यप्रात) H. an. 4, 95. MED. t. 179. अन्तर्गतशवे ग्रामे in einem Dorfe, in das eine Leiche eingezogen ist, M. 4, 108. सागर्तार्तगताः केचित्केचित्पर्व-तमाश्रिताः R. 6, 93, 2. — 2) in Etwas enthalten, befindlich, am Ende eines comp.: पार्थिवानि च भूतानि सागर्तार्तगतानि च R. 5, 3, 5. हृद्यात्तर्गतं भावं व्याकृतमुपचक्रमे 6, 100, 1. अम्प्रत्याहारात्तर्गतवर्षा P. 8, 3, 8, Sch. — 3) im Innern befindlich, der innere, verborgen, geheim: बाह्यैर्विभावये-ल्लिङ्गैर्भावमर्तगतं नृणाम् M. 8, 25. नेत्रवत्तविकारैश्च गृह्यते ऽतर्गतं मनः 26. = PAÑKĀT. I, 30. = VET. 8, 2. आकारैश्चाद्यमानो ऽपि न शक्यो ऽसौ निगूह्यते । बलाद्धि विवृणोत्येव भावमर्तगतं नृणाम् ॥ R. im VJAVAHĀ- RAT. 39, 16. 17. RAGH. 2, 43. अन्तर्गतं रोषम् — धार्यामास R. 6, 99, 29. कर्ष-मर्तगतं कृत्वा निजग्राह 30. दुःखमर्तगतं यन्मे मनो दहति 4, 8, 17. अन्तर्ग-तमपि व्यक्तमाप्याति हृदयं हृदा 4, 77, 27. अन्तर्गतप्रार्थन adj. ÇĀK. 161. — 4) untergegangen, geschwunden: येषां त्वर्तगतं पापं जनानां पुण्यजर्म-णाम् BHAG. 7, 28. — 5) aus dem Gedächtniss geschwunden AK. 3, 2, 36. H. 1493. an. 4, 95. MED. t. 179.

अन्तर्गतमनस् (अन्तर्गत + मनस्) adj. in sich gekehrt, betrübt R. 1, 2, 31. — Vgl. अन्तर्मनस्.

अन्तर्गर्भ (अन्तर + गर्भ) adj. einen jungen Schoss im Innern bergend: कुशौ KĪTJ. ÇR. 2, 3, 31.

अन्तर्गृह (अन्तर + गृह) n. das Innere eines Hauses, inneres Gemach AK. 3, 4, 43. अन्तर्गृहमाविश्य R. 2, 4, 3. ऽक्रम, ऽयात्रा Verz. d. B. H. No. 1236. 1241.

अन्तर्घण (von हन् mit अन्तर) m. 1) Platz vor dem Hause: द्वारमति-क्रम्य यः सावकाशप्रदेशः सो ऽन्तर्घण इत्युच्यते Sch. zu BHĀṬṬ. 7, 62. — 2) N. pr. eines Dorfes bei den Bāhika KĀC. zu P. 3, 3, 78. bei den Bāh-ika Sch. zu BHĀṬṬ. 7, 62. — Vgl. अन्तर्घन, अन्तर्हनन.

अन्तर्घन m. 1) = अन्तर्घण 1. Sch. zu BHĀṬṬ. 7, 62. — 2) N. einer Ge-gend P. 3, 3, 78. = वाहीक्यामविशेष Sch.

अन्तर्घात (wie eben) m. P. 3, 3, 78, Sch.

अन्तर्ग (अन्तर + ग) adj. im Innern entstehend: कृमिः H. 1202.

अन्तर्गठर (अन्तर + गठर) n. Magen AK. 3, 4, 43.

अन्तर्गर्भ (अन्तर + गर्भ) m. das Innere des Rachens: अग्निपिमौ वा ए-तमन्तर्गर्भ आदधाते यो दीक्षते ÇĀT. Br. 3, 3, 4, 21. 6, 3, 19. SĀJ.: खादनस्यानं जन्मः । दत्तपञ्चोत्तराले.